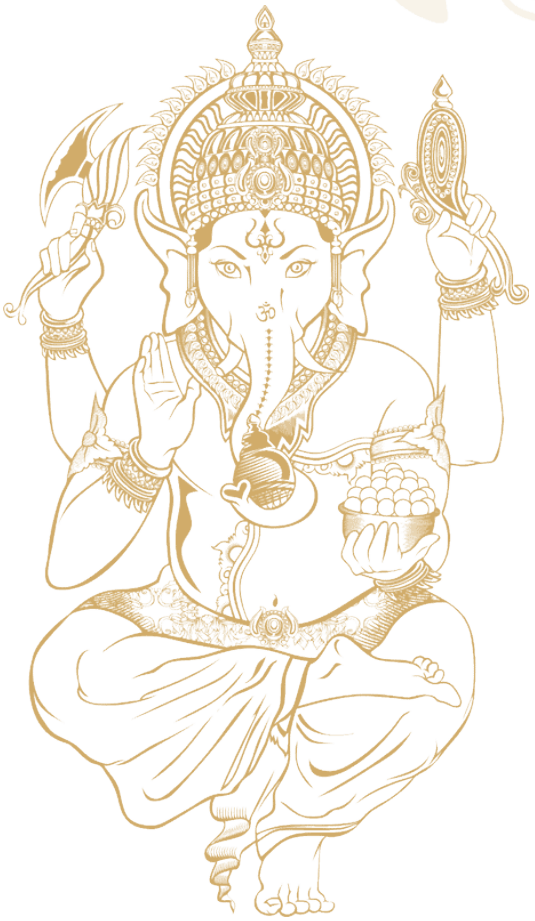

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121936204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/12/1993	जन्म तिथि	16/05/2003
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	11:10:00 घंटे
घटी 38:22:48	जन्म समय(घटी)	14:27:37 घटी
India	देश	India
Kotdwara	स्थान	Kotdwara
29:44:00 उत्तर	अक्षांश	29:44:00 उत्तर
78:33:00 पूर्व	रेखांश	78:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:48	स्थानिक संस्कार	-00:15:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:52	सूर्योदय	05:22:57
17:22:58	सूर्यास्त	19:01:46
23:46:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 5मा 25दि	16:51:23	सिंह	लग्न	कर्क	20:28:00	गुरु 1वर्ष 3मा 2दि
राहु	10:09:04	धनु	सूर्य	वृष	01:03:50	बुध
21/06/2014	02:15:15	वृष	चंद्र	वृश्चि	02:17:13	17/08/2023
20/06/2032	10:30:54	धनु	मंगल	मक	20:11:39	17/08/2040
राहु 03/03/2017	04:55:41	धनु	बुध व	मेष	17:50:28	बुध 13/01/2026
गुरु 28/07/2019	14:58:45	तुला	गुरु	कर्क	16:46:20	केतु 10/01/2027
शनि 03/06/2022	04:47:57	धनु	शुक्र	मेष	05:49:57	शुक्र 10/11/2029
बुध 20/12/2024	02:38:33	कुंभ	शनि	मिथु	03:48:11	सूर्य 17/09/2030
केतु 07/01/2026	09:03:11	वृश्चि	राहु व	वृष	05:33:21	चन्द्र 16/02/2032
शुक्र 07/01/2029	09:03:11	वृष	केतु व	वृश्चि	05:33:21	मंगल 12/02/2033
सूर्य 02/12/2029	27:26:16	धनु	हर्ष	कुंभ	08:43:21	राहु 02/09/2035
चन्द्र 03/06/2031	26:26:59	धनु	नेप व	मक	19:17:11	गुरु 07/12/2037
मंगल 20/06/2032	03:05:30	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	25:20:08	शनि 17/08/2040

लग्न-चलित

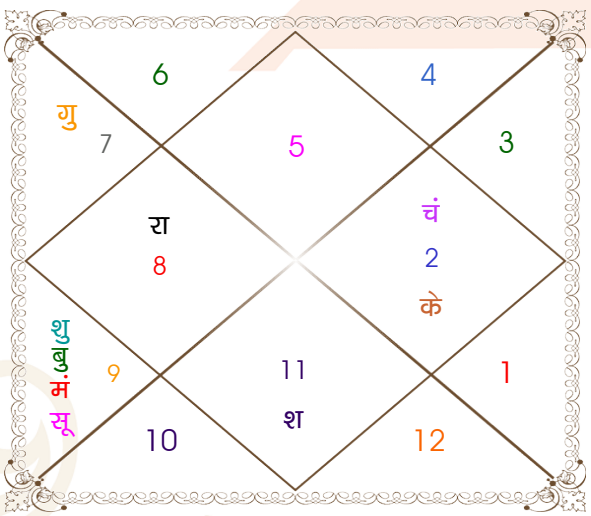

लग्न-चलित

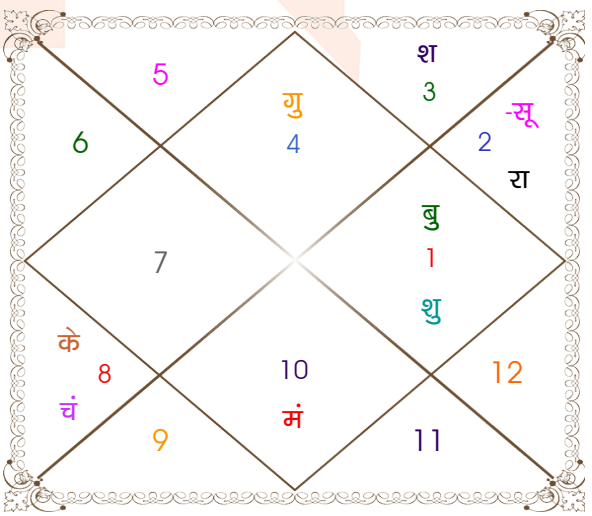

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

Mr. का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।